मसीह की देह में तुम्हारी भूमिका क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम युगानुयुग धन्य हो!

आज हमारे कलीसियाओं में परमेश्वर की महिमा इतनी मंद क्यों दिखाई देती है? हम यीशु के नाम से प्रार्थना करते हैं, चंगाई माँगते हैं लेकिन वह नहीं मिलती। हम चमत्कारों और निशानों की आशा रखते हैं लेकिन कुछ नहीं होता। हम मुक्ति के लिए प्रार्थना करते हैं परंतु पूरी आज़ादी कुछ ही लोगों को मिलती है। ऐसा क्यों है?

क्या यह इसलिए है क्योंकि यीशु स्वयं बीमार या निर्बल हो गए हैं? क्या वे असमर्थ हैं, दूसरों की सहायता नहीं कर पा रहे क्योंकि वे स्वयं पीड़ित हैं? बिल्कुल नहीं! यीशु, परमेश्वर के सर्वशक्तिमान पुत्र हैं सिद्ध, सामर्थी, और उद्धार, चंगाई तथा छुटकारा देने में पूरी तरह सक्षम।

समस्या हममें है। हम यह नहीं समझते कि एक विश्वासियों के
रूप में हम मसीह की देह के अंग हैं:
“अब तुम मसीह की देह हो, और व्यक्तिगत रूप से उसके अंग हो।”
– 1 कुरिन्थियों 12:27 (ERV-HI)

हम में से हर एक को एक विशेष और अपरिहार्य भूमिका दी गई है ताकि

मसीह की देह में तुम्हारी भूमिका क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

मसीह की देह परिपक्व हो, और मसीह जो उस देह का सिर है उसे सामर्थी और प्रभावशाली रीति से चला सके। जब मसीह अगुवाई करता है, तो उसकी देह जीवित, सक्रिय और सामर्थी होती है, और परमेश्वर का राज्य स्पष्ट रूप से प्रकट होता है जैसे यीशु ने पृथ्वी पर किया।

लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब हम सोचते हैं कि हर किसी को आँख, हाथ या मुँह होना चाहिए यानी वे कार्य जो बाहर से दिखाई देते हैं और जिन्हें “सम्माननीय” माना जाता है। हम सारी शक्ति इन्हीं भूमिकाओं में लगाने लगते हैं, क्योंकि वे लोगों को दिखती हैं और अधिक महत्वपूर्ण प्रतीत होती हैं। परंतु मसीह की देह केवल बाहरी अंगों से नहीं बनी है भीतरी, अदृश्य अंग भी उतने ही जीवन-आवश्यक हैं।

तेज़ दृष्टि या मजबूत हाथ का क्या लाभ है यदि हृदय ही काम करना बंद कर दे? यदि रीढ़ की हड्डी कमजोर हो जाए, तो पूरी देह निर्बल हो जाती है। यदि गुर्दे काम करना बंद कर दें, तो जीवन संकट में आ जाता है। लेकिन यदि केवल एक पाँव घायल हो, तो भी देह जीवित रह सकती है।

प्रेरित पौलुस कहता है:
“बल्कि देह के वे अंग जो निर्बल जान पड़ते हैं, वे ही

मसीह की देह में तुम्हारी भूमिका क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

अत्यावश्यक हैं; और जो अंग हमारे दृष्टि में कम आदरणीय हैं, उन्हें हम विशेष आदर देते हैं; और जो अंग हमारे दृष्टि में अशोभनीय हैं, उन्हें हम और भी विशेष मर्यादा देते हैं; हमारे शोभनीय अंगों को इसकी ज़रूरत नहीं।”
– 1 कुरिन्थियों 12:22–24 (Hindi O.V.)

हर कोई पास्टर, शिक्षक, भविष्यवक्ता या स्तुति अगुआ बनने के लिए नहीं बुलाया गया है। यदि तुम इन भूमिकाओं में स्वयं को नहीं पाते, तो इसका यह अर्थ नहीं कि तुम महत्वहीन हो। हो सकता है तुम मसीह की देह में हृदय, गुर्दा, रीढ़ या फेफड़े की तरह हो। जब तुम विश्वासियों की संगति में हो, तो सोचो: तुम कैसे सेवा कर सकते हो? तुम क्या योगदान दे सकते हो?

शायद आयोजनों की योजना और प्रबंधन के द्वारा? दूसरों को प्रोत्साहन देने और उनसे संपर्क बनाए रखने द्वारा? उदारता से देने में? बच्चों की सेवा में? सुरक्षा की व्यवस्था करने में? सफ़ाई और व्यवस्था में? प्रार्थना और उपवास के संचालन में?

चाहे तुम्हारी सेवा दिखती हो या छिपी हो चाहे मंच पर हो या पर्दे के पीछे अपना कार्य पूरे मन और पूरी निष्ठा से करो, आधे मन से नहीं।

मसीह की देह में तुम्हारी भूमिका क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

प्रेरित पौलुस हमें समझाता है:

“न्याय, पवित्रता, प्रेम, और आदर जो भी बातें सच्ची हैं, जो आदरणीय हैं, जो धर्मपूर्ण हैं, जो निर्मल हैं, जो प्रिय हैं,
जो प्रशंसा के योग्य हैं यदि कोई सद्गुण हो, यदि कोई स्तुति
की बात हो, तो उन्हीं पर ध्यान दो। जो बातें तुमने मुझसे
सीखी, पाई, सुनी और मुझ में देखीं, वही करो और शांति का परमेश्वर तुम्हारे साथ रहेगा।”
– फिलिप्पियों 4:8–9 (ERV-HI)

सिर्फ दर्शक बनकर सभा में आकर संतुष्ट न हो जाओ। सालों बाद तुम नेतृत्व या कलीसिया की दशा की आलोचना कर सकते हो पर असल समस्या यह है: तुमने मसीह की देह में अपनी परमेश्वर-दी गई जगह नहीं अपनाई है। यदि तुम स्वयं को देह से अलग कर लेते हो, जैसे कि फेफड़ा शरीर से अलग हो जाए, तो फिर मसीह की देह को साँस लेने में कठिनाई होगी।

आओ हम पश्चाताप करें और जिम्मेदारी उठाएँ। हर विश्वासी को अपनी बुलाहट को पहचानना और उसमें विश्वासयोग्य रहना चाहिए, ताकि मसीह की महिमा उसकी कलीसिया में फिर से प्रकट हो जैसे नए नियम की कलीसिया में हुआ था। जब हम सब एक मन, एक हृदय होकर मसीह में एकजुट होंगे, तब उसकी देह पूर्ण होगी और मसीह फिर से सामर्थ के

मसीह की देह में तुम्हारी भूमिका क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

साथ हमारे बीच कार्य करेगा।

प्रभु हमारे साथ हो। प्रभु अपनी पवित्र कलीसिया के साथ हो।

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp